(Base : 1993-94 = 100)

Industry	Weight	1996-97	1997-98	1997-98 (Apr-Oct)	1998-99 (Apr-Oct)
Coal	3.22	5.7	3.6	4.8	2.0
Crude Oil	4.17	-4.7	3.1	3.0	-3.7
Electricity	10.17	3.8	6.5	6.9	6.3
Steel	5.13	5.7	3.5	6.6	-3.1
Cement	1.99	9.6	9.1	7.4	2.7
Petroleum Refinery	2.00	7.0	3.6	5.0	" 2.3
Overall	26.68	3.7	5.1	5.9	1.7

During April—October, 1998, the overall growth of the six infrastructure industries is 1.7% as against 5.9% during comparable period last year. The growth during April—October, 1998 has been positive in electricity, cement, coal and petroleum refinery products. However, crude petroleum and steel show a negative growth.

(c) to (f) The investment in the core infrastructures as represented by the FDI inflow has recorded an increase from Rs. 426.57 crores in 1995 top Rs. 1637.85 crores in 1997. There has been a slight slowdown in 1998.

In order to promote investment the Government has delicensed from the purview of The Industries (Development and Regulation) Act 1951 coal, sugar and petroleum refinery sector; and also allowed 100% equity in power sector under automatic approval route upto Rs. 1500 crores. Select infrastructure projects are being monitored to remove bottlenecks and expedite implementation and procedural requirements have been stream-lines.

In order to encourage investment and provide a greater degree of comfort to potential investors, a number of Regulatory Authorities have been set up to encourage new investments.

खादी और प्रणामोद्योग आयोग में भ्रष्टाचार

1597.**श्री चुन्नी लाल चौधरी**: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के भूतपूर्व अध्यक्ष ने त्यागपत्र दे दिया है और इस त्यागपत्र में इस आशय का आरोप लगाया है कि आयोग में भ्रष्टाचार व्याप्त हैं;

(ख) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ग) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) से (ग) खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष ने जनवरी,1998 में व्यक्तिगत कारणों से अपना त्याग-पत्र दिया था । त्याग-पत्र में खादी ग्रामोद्योग में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगाया गया था ।

अबोट लैबोरेट्रीज इंण्डिया लिमिटेड का लघु उद्योग इकाई के रूप में पंजीकरण

1598.**डा.महेश चन्द्र शर्मा**: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 25 अगस्त,1998 के मुम्बई से प्रकाशित होने वाले "द इकॉनामिक टाइम्स" में प्रकाशित इस आश्य के समाचार की ओर दिलाया गया है कि संयुक्त राज्य अमरीका की एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी अबोट इंक द्वारा नियन्त्रित अबोट लैबोरेट्रीज इण्डिया लिमिटेड ने स्वंय को एक लघु उद्योग इकाई के रूप में वर्गीकृत करवा लिया हैं;

(ख) यदि हां,तो क्या वह लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने की भारत की औद्योगिक नीति के अनुकूल हैं;और

(ग) क्या इसके कारण विदेशी कम्पनियों का स्वदेशी लघु उद्योगों पर वर्चस्व नहीं हो जाएगा ?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) जी हां,(ख) कंपनी के आवेदन-पत्र में दी गई निवेश की